एक नजर में

सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत जनकल्याणकारी शिविर आयोजित

धार 13 फरवरी 2026। धार जिले की तिरला जनपद की ग्राम पंचायत बोधवाड़ा में सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत जनकल्याणकारी शिविर आयोजित किया गया। जिसमें नोडल अधिकारी श्रीमती स्वाती जैन द्वारा मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही वर्तमान में चल रही स्वावलंबन योजना तथा स्टार सखी योजना जिसके अंतर्गत ग्राम में चल रही सूक्ष्म उद्यम गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु बैंक द्वारा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है की जानकारी भी ग्रामवासियों से साझा की गई। शिविर में कुल 40 आवेदन आए। इस अवसर पर विभागों के अधिकारी, सचिव रमेश ठाकुर, सरपंच कैलाश मकवाना, पंच प्रहलाद मकवाना, पटवारी आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पर नागेश्वर मंदिर में भव्य महाप्रसादी व महाआरती का आयोजन

बदनावर । नागेश्वर मंदिर, बदनावर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नागेश्वर धाम समिति के तत्वावधान में भव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत महाप्रसादी के रूप में 7 क्विंटल 51 किलो फरियाली, 401.51 किलो खीर तथा 56 प्रकार के भोग का वितरण श्रद्धालुओं को किया जाएगा, वहीं सायं 6 बजे से 108 दीपकों के साथ विशेष महाआरती संपन्न होगी, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बन जाएगा।आयोजन समिति के अनुसार यह कार्यक्रम दिनांक 15 फरवरी 2026 को प्रात: 7 बजे से प्रारंभ होकर दिनभर चलेगा, जिसमें दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित दर्शन, प्रसाद वितरण, पूजा-अर्चना और आरती की समुचित व्यवस्था की गई है ।ताकि सभी भक्त बिना किसी असुविधा के धर्म लाभ प्राप्त कर सकें ।समिति पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना, आपसी सद्भाव और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करना है, साथ ही युवाओं को सनातन परंपराओं से जोड़ना भी इसका महत्वपूर्ण लक्ष्य है ।आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं; नागेश्वर धाम समिति ने समस्त धर्मप्रेमी जनता, शिवभक्तों और श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पुण्य अवसर का लाभ लें, कार्यक्रम की गरिमा बनाए रखें, स्वच्छता व अनुशासन का पालन करें तथा शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें, जिससे यह धार्मिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सौहार्द का उदाहरण बन सके।

पूर्व विधायक स्व . मोहन सिंह बुंदेला की पुण्यतिथि पुष्पांजलि कर मनाई

धार । जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता धार विधानसभा की पूर्व विधायक स्वर्गीय मोहन सिंह बुंदेला जी की सातवीं पुण्यतिथि बुंदेला जी के बगीचे पर मूर्ति पर पुष्पांजलि कर संकल्प के साथ मनाई गई उनके पद चिन्हों पर चलकर जनता की सेवा समर्पित भाव से करना है इस अवसर पर छगन सिंह बुंदेला सत्य सिल राव पवार कुलदीप सिंह बुंदेला कृष्णकांत पटेल भगत सिंह चौहान नरेंद्र सिंह बुंदेला बाबू भाई अर्जुन सिसोदिया कुलदीप सिंह डंग लक्ष्मी नारायण पटेल राजेंद्र बुंदेला दीपक शुक्ला धीरेंद्र स्वद्वद्धद्व मुन्ना व्यास राकेश मिश्रा ऋषि भार्गव शकील खान लोकेश मकवाना प्रमोद सेनापति कमल राठौर ईश्वर सिंह ठाकुर पार्षद रोहित कामदार सुरेश परमार .मनोज चौहान योगेंद्र बुंदेला महेंद्र बुंदेला जीवन बुंदेला दिलीप यादव राहुल यादव पृथ्वी सिंह चौहान इब्राहिम भाई ओम नारायण चौहान मुन्ना पाटीदार कंवरलाल पटेल महावीर बुंदेला मोहन ठाकुर किशोर सोलंकी जितेंद्र वाजपेई विष्णु राठौर के साथ धारेश्वर की भजन मंडली के सभी सदस्य गण प्रवीण गोधा प्रतीक माहेश्वरी श्रेणिक जैन वाकिब मोईन शेख आदि सैकड़ो स्नेही जनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

एक्सपर्ट टॉक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित

बाग - पीएम श्री एकीकृत शा.हाई स्कूल पिपरी वि.ख.बाग जिला धार मे विधार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु एक्सपर्ट टॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का मुख्य वक्ता के रूप मे राजेन्द्र झाला उ.श्रे. शि. सांदीपनि विधालय बाग उपस्थित रहे। उन्होंने विधार्थियों को कक्षा 10वी बोर्ड परीक्षा पर विस्तृत एवं प्रेरणादायक जानकारी प्रदान की मुख्य अतिथि राजाराम निगवाल ने अपने उद्बोधन मे कहा कि विधार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करना चाहिए ।उन्होंने उदाहरणों एवं रोचक तथ्यों के माध्यम से विषय को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया विद्यार्थियों ने भी उत्साह पूर्वक प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रभारी प्राचार्य जगदीश अलावा ने की उन्होंने अपने उद्बोधन मे कहा कि ऐसे कार्यक्रम विधार्थियों को नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करते है ।कार्यक्रम का संचालन सालमसिंह अनारे ने किया। अंत मे आभार प्रदर्शन भारत भवर द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधालय का समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

कृषि मेले में नरवाई प्रबंधन यंत्रों की खरीदी

धार 13 फरवरी। तीन दिवसीय कृषि मेले के दूसरे दिन कृषि मेले में कृषि मेले में राष्ट्रीय तिलहन मिशन योजना अन्तर्गत श्री ज्ञानसिंह मोहनिया उप संचालक कृषि धार द्वारा तिलहनी फसलों के उत्पादन तकनिक एवं प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं मार्केटिंग की जानकारी प्रदान की एवं कृषकों द्वारा कृषि प्रदर्शिनी से नरवाई प्रबंधन यंत्रों की खरीदी की गई।

मेले के तकनिकी सत्र में कृषि वैज्ञानिक डॉ. महेन्द्रसिंह जादोन कृषि विज्ञान केन्द्र देवास द्वारा मेले में कृषकों को मिट्टी परीक्षण प्रक्रिया मिट्टी नमूना लेना एवं मिट्टी में उपस्थित पौषक तत्वों के बारे में बताया तथा जैविक खाद् उपयोग करने के बारे में बताया गया। डॉ. एस. एस. चौहान वरिष्ठ एवं प्रमुख वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र धार द्वारा कृषकों को फसलों में संतुलित एवं

अनुसंशित उर्वरकों के बारे में जागरुक किया गया साथ ही कृषि में जोखिम कम करने के लिए एकिकृत कृषि प्रणाली से अवगत कराया गया। डॉ. डी. एस. मण्डलोई द्वारा उद्यानिकी फसल की उत्पादन, उत्पादकता की जानकारी दी गई।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. अमृतलाल बसेडिया द्वारा सोयाबीन फसल में मेड नाली पद्धति से बोनी करने पर अधिक पानी एवं कम पानी में भी फसल को नुकसान नहीं होता है एवं भूमि में नमी बनी रहती है जिससे उत्पादन में भी वृद्धि होती है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. नरेश गुप्ता ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती से तिलहनी फसल उगाकर शुद्ध तेल खाद्य पदार्थ में उपयोग की बात कही किसानों द्वारा तिलहनी फसल में विशेषकर सोयाबीन, मुंगफली में कीटनाश का उपयोग बहुतायत में होता है अब परिर्वतन लाये एवं प्राकृतिक तरिके से खेती कर तिलहनी फसलों का गुणवत्ता युक्त उत्पादन ले।

श्री विकास चौरसिया प्रबंधक इफकों द्वारा नैनो यूरिया, नैनों डीएपी एवं बायो-डीकम्पोजर का किस प्रकार उपयोग करना है कि विस्तृत जानकारी बताई गई। प्राकृतिक खेती करने वाली महिला कृषक श्रीमति छाया सौलंकी ग्राम अतरसुमा वि.ख. डही द्वारा अपने अनुभव साझा किये और प्राकृतिक खेती से अपने प्राकृतिक उत्पाद बेचकर एक लाख रूपये से भी अधिक आय अर्जित की है समर्थन संस्था एवं आत्मा के माध्यम से चार बायो रिसोर्स सेंटर स्थापित कर 300 से भी अधिक किसानों को जोडकर प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सामान्य वर्ग के लघु सिमान्त कृषक श्री रोशन पिता सुभाष ग्राम ओसरा वि.ख. तिरला द्वारा नरवाई प्रबंधन के लिए कृषि कटाई यंत्र स्ट्रारिपर शासन की ई-कृषि अनुदान पोर्टल कृषि अभियांत्रिकी विभाग अन्तर्गत योजना से पंजीयन कर 50 प्रतिशत अनुदान (अधिकतम राशि रु. एक लाख पचास हजार मात्र) की सब्सिडी प्राप्त कर स्ट्रारिपर मेले की प्रदर्शिनी हरिश मशीनरी डिलर से खरीदा गया।

> कृषकों द्वारा लिये गये ज्ञान के आधार पर वैज्ञानिकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर कृषकों द्वारा दिया गया जिन्हे पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसी के साथ ही कोरोमंडल कम्पनी एवं आरएमपीसीएल कम्पनी के लक्की ड्रॉ में 05 कृषकों को पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रो के लगभग 1000 से भी अधिक कृषक उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका अवलोकन किया गया। कृषि मेले में श्री अशोक डावर सभापती कृषि स्थाई समिति जिला पंचायत धार, कृषि एवं संबंद्ध विभाग, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि अभियांत्रिकी द्वारा उन्नत कृषि यंत्र, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, किसान उत्पादक संगठन, कृषि आदान विक्रेता, उर्वरक, बीज एवं किटनाशक कंपनी एवं डिलर, एन.जी.ओं. एकिकृत किट प्रबंधन संबंधि, एवं बायो एग्री इनपुट प्रोडक्ट संबंधि इस प्रकार कुल 80 से भी अधिक कृषि प्रदर्शिनी लगाई गई।

पीएनजी गैस अभियान : धार में स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती ऊर्जा को बढ़ावा

धार में पीएनजी गैस कनेक्शन को प्रोत्साहन : 1 जनवरी से 31 मार्च तक चलेगा विशेष अभियान

धार, 13 फरवरी। भारत सरकार द्वारा शहरों को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के प्रयासों के तहत, पीएनजी (पाइप्ड नेचरल गैस) गैस का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। पीएनजी गैस एक स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा स्रोत है, जो न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखता है, बल्कि उपयोगकर्ताओं को कई लाभ भी प्रदान करता है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड द्वारा प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी बढाने के उद्देश्य से पीएनजी के प्रति लोगो को प्रोत्साहित करने के उददेश्य से 1 जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2026 तक अभियान चलाया जा रहा है। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि पी.एन.जी.कनेक्शनः इस अभियान के तहत पी. एन. जी. कनेक्शन का लाभ उठाने के लिए,

ग्राहकों को 500 रुपये का पंजीयन शुल्क व 6000 रुपये वापसी योग्य जमा राशि का भुगतान करना होगी। नवेरिया गैस गैस पाईप कम्पनी द्वारा नगर धार में अभी तक 1544 घरेलु उपभोक्ताओं को 1544, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 22 तथा इन्डस्ट्रीज को 12 पीएनजी गैस कनेक्शन जारी किये गये है। पीएनजी गैस के लाभ: निरन्तर आपूर्ति व गैस खत्म होने की चिन्ता से हमेशा के लिये मुक्ति, भण्डारण की समस्या नही, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा स्रोत, कम प्रदूषण, सस्ता और सुविधाजनक, घरेलू और व्यावसायिक उपयोग के लिए उपयुक्त, गैस की खपत के लिये कोई अग्रिम भुगतान नही पोस्ट बिलिंग व्यवस्था । उपभोक्ता सहायक: ग्राहक सहायता नियंत्रण कक्षों द्वारा समर्थित 24 घंटे नंबर 9872279872 के माध्यम से चौबीसों घंटे ग्राहक सहायता का आश्वासन दिया जाता है, जो इंजीनियरों और प्रशिक्षित तकनीशियनों द्वारा संचालित होते हैं। इस प्रकार शिकायतों, यदि कोई हो, का तुरंत समाधान किया जाता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया

धार 13 फरवरी 2026। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 9 फरवरी से 13 फरवरी तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया गया। सप्ताह के अंतर्गत प्रदेश के सभी मनी वॉइस ष्टस्करुसेंटर द्वारा ऋडिजिटल मोबाइल वेनऋ के माध्यम से रुश्व ष्ठ द्वारा फिल्म दिखा कर प्रसार किया गया। इसी कड़ी में ब्लॉक, बदनावर, निसरपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी कंचन वास्कले द्वारा जनपद पंचायत ऑफिस से श्वेत पताका फहराकर ऋवित्तीय साक्षरता रथऋ को रवाना किया गया। साक्षरता सप्ताह की मुख्य थीम है ऋकेवायसी

सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदमऋ वास्कले ने शुभ कामना देते हुए बताया कि रिजर्व बैंक की इस पहल से केवाईसी के विषय में आम जन को महत्वपूर्ण लाभ होगा। अभी भी लोग केवायसी की जानकारी के अभाव में खातों के दुरुपयोग का शिकार हो रहे है। इस अवसर पर ग्रामीण बैंक प्रबंधक श्री अंकुश मोगा, बैंक ऑफ इंडिया से श्री राहुल , एनआर एलएम से श्री पाटीदार उपस्थित थे। यह जानकारी अग्रणी जिला प्रबंधक श्री बलराम बैरागी डी गई।

एक नजर में

धार जिले में लगेंगे सर्वाधिक 59 हाट बाजार

आदिवासी समाज के उल्लास और उमंग के सांस्कृतिक लोकपर्व भगोरिया की धूम 24 से

बाग, मनावर में 27 फरवरी । शुक्रवार को भगोरिया मनावर निर्मल जौहरीआदिवासी समाज के उल्लास और उमंग के लोकपर्व भगोरिया की शुरुआत इस बार 24 फरवरी से होगी। एक सप्ताह तक चलने वाला यह भगोरिया होलिका दहन के दिन 02 मार्च को संपन्न होगा। इसे भोंगर्या भी कहा जाता है। इस वर्ष पश्चिम मध्य प्रदेश के इंदौर संभाग के पांच आदिवासी बहुल जिलों में 176 गांवों और कस्बों में भगोरिया की धूम रहेगी। धार जिले में सर्वाधिक 59, झाबुआ जिले में 36, आलीराजपुर जिले में 24, ब?वानी जिले में 45 व खरगोन जिले में 12 स्थानों पर आदिवासियों के लोकप्रिय सांस्कृतिक लोकपर्व भगोरिया का आयोजन होगा। इनमें संख्या के लिहाज से बात करें तो मप्र में सर्वाधिक धार जिले में 59 स्थानों पर भगोरिया हाट लगेंगे। इसी तरह इंदौर संभाग में केवल विकासखंड स्तर की बात की जाए तो डही विकासखंड ही ऐसा है जहां लगातार सप्ताह भर भगोरिया की धूम रहेगी।

ड्रेस कोड में युवक युवतियां

भगोरिया पर्व मध्य प्रदेश विशेषकर आदिवासी बाहुल्य झाबुआ, अलीराजपुर और धार जिले के भील और भिलाला समाज का होली से 7 दिन पहले मनाया जाने वाला एक प्रमुख लोकपर्व है। यह उत्साह, उमंग और प्रेम का सांस्कृतिक उत्सव है। इसे हाट-बाजार के रूप में मनाया जाता है। जहां पारंपरिक नृत्य, संगीत, और

रंगों के साथ बच्चे युवक युवतियां और वृद्धजन फसलों की कटाई का जश्न मनाते हैं। यह होली से एक सप्ताह पहले शुरू होता है और मुख्य रूप से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में हॉट के दिन आदिवासी समाज द्वारा रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों से सुसज्जित होकर उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। आधुनिकता के बदले दौर में युवक युवतियां ड्रेस कोड में नजर आती हैं।

आदिवासी संस्कृति और आधुनिकता का संगम

यह आदिवासी संस्कृति और आधुनिकता का संगम है। आदिवासी समाज पारंपरिक पोशाक पहनकर वाद्ययंत्रों (ढोल, मांदल) पर नाचते-गाते हैं। मान्यता है कि इस उत्सव की शुरुआत राजा भोज के समय में हुई थी, जब भील राजा कासूमार और बालून ने भगोर (पुराना नाम) में इस हॉट (मेले) को शुरू किया था। इसे भोंगर्या, भगोरिया भी कहते है। भगोरिया हाट में शामिल होने के लिए आदिवासी लोग दूर-दूर से अपने घरों को लौटते हैं और ग्रामीण अपनी परंपराओं के अनुसार जीवन जीते हैं। भगोरिया पर्व आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, जो हर साल होली के आगमन पर मनाया जाता है। इसे प्रेम का उत्सव माना जाता है, जहाँ पारंपरिक रूप से युवक युवतियों द्वारा एक दूसरे को रंग या गुलाल लगाने की परंपरा रही है। यह फसल कटाई के बाद खुशी मनाने का मौका भी है।

मान्यता है कि इस उत्सव की शुरुआत राजा भोज के समय में हुई थी, जब भील राजा कासूमार और बालून ने भगोर (पुराना नाम) में इस हॉट (मेले) को शुरू किया था। इसे भोंगर्या, भगोरिया भी कहते है। भगोरिया हाट में शामिल होने के लिए आदिवासी लोग दूर-दूर से अपने घरों को लौटते हैं और ग्रामीण अपनी परंपराओं के अनुसार जीवन जीते हैं। भगोरिया पर्व आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, जो हर साल होली के आगमन पर मनाया जाता है।

त्योहारिया और भगोरिया हाट से मिलेगी व्यापार को रफ्तार17 फरवरी से त्योहारिया हाट शुरू होने से मंद प? व्यवसाय को रफ्तार मिलेगी आदिवासी अंचल में 17 से 23 फरवरी तक भगोरिया से पहले लगने वाले साप्ताहिक हाट त्योहारिया हाट बाजार के नाम से भरेंगे। ऐसे में मंदी के दौर से गुजर रहे बाजारों में व्यापार को त्योहारिया हाट बाजारों से रफ्तार मिलेगी।

> **जिले में प्रमुख भगोरिया हाट**
> 24 फरवरी मंगलवार करजवानी (उडी), कुक्षी, नालछा धरमपुरी, तिरला। 25 फरवरी बुधवार अराड़ा (डही). सरदारपुर, सलकनपुर, गोलपुरा। 26 फरवरी गुरुवार डही, रिंगनोद, दतीगांव, गुजरी, बाकानेर, सिंघाना। 27 फरवरी शुक्रवार* धरमराय व पर्‍यिाल (डही); धामनोद, मनावर, जौलाना 28 फरवरी शनिवार* कवड़ा व बाबली (डही), खलघाट, मांडू। 01 मार्च रविवार* बड़वान्या (डही) राजग?, गंधवानी, टांडा, भारुड़पुरा। 02 मार्च सोमवार* फिके?ा (डही) बाग, निसरपुर, डेहरी, धानी, गुमानपुरा। गौरतलब है कि त्योहारिया हाट से लेकर भगोरिया हाट यानी 15 दिन तक अच्छा व्यापार होता है। इसके बाद होली से रंगपंचमी तक व्यापार व्यवसाय फिर मंदा हो जाता है। क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों का गुजरात और मालवा के शहरों में पलायन होता है। ऐसे में त्योहारिया और भगोरिया नजदीक होने के चलते क्षेत्र से बाहर गए मजदूरों का वापस क्षेत्र में आने का क्रम शुरू होने लगेगा।
>
> ऐसे में मजदूरों के क्षेत्र में